

सौंदर्याचा केवळ कलस
असा सीयोन डोंगर,
त्यावरून देव प्रकाशला
आहे.

— स्तोत्रसंहिता ५०:२



कारण इस्राएलाची
संतती सर्व इस्राएल
नाहीत

— रोमकास पत्र ९:६ख

“त्या प्रांतातुन जातांना तेथल्या लोकांस पुष्कळ बोध करून तो हेलास प्रांतांत गेला.”

— प्रेषितांची कृपे २०:२ख

भविष्यवक्ता आणि प्रेरिताचे पवित्रशास्त्रानुसार सुसमाचाराचा प्रचार करण्यास, प्रोटेस्टन्ट रिफॉर्मेशन यांना प्रवृत्तित
करण्याच्या तत्वांना पुढे धोषित करणे, कृपेच्या शिक्षणामध्ये विश्वासपूर्वक पध्दतने चालणे, अनुभवाविक केव्दिनिजमचा
अभ्यास करणे आणि शैवटी धर्म अष्टामध्ये असलेल्या चुकिच्या शिक्षणाचे भाडेफोड करणे.

पध्दतशीर बायबल—वाचन दिनदर्शिका

जानेवारी	उत्प1-2 स्तोत्र 1	उत्प3-4 स्तोत्र 2	उत्प 5-8 स्तोत्र 3	उत्प 9-11 स्तोत्र 4	उत्प 12-14 स्तोत्र 5	उत्प 15-17 स्तोत्र 6	उत्प 18-20 स्तोत्र 7
अब्रामानें परमेश्वरावर विश्वास ठेविला आणि अब्रामाच्या हा विश्वास परमेश्वरानें त्याचें नीतिमत्त्व गणिला.	उत्प 21-23 स्तोत्र 8	उत्प 24-26 स्तोत्र 9	उत्प 27-30 स्तोत्र 10	उत्प 31-33 स्तोत्र 11	उत्प 34-36 स्तोत्र 12	उत्प 37-40 स्तोत्र 13	उत्प 41-43 स्तोत्र 14
उत्पत्ति १५:६	उत्प 44-46 स्तोत्र 15	उत्प 47-50 स्तोत्र 16	निर्ग 1-4 स्तोत्र 17	निर्ग 5-7 स्तोत्र 18: भाग 1	निर्ग 8-10 स्तोत्र 18: भाग 2	निर्ग 11-13 स्तोत्र 19	निर्ग 14-16 स्तोत्र 20
	निर्ग 17-19 स्तोत्र 21	निर्ग 20-23 स्तोत्र 22	निर्ग 24-26 स्तोत्र 23	निर्ग 27-29 स्तोत्र 24	निर्ग 30-32 स्तोत्र 25	निर्ग 33-35 स्तोत्र 26	निर्ग 36-38 स्तोत्र 27
	निर्ग 39-40 स्तोत्र 28	लेवी 1-3 स्तोत्र 29	लेवी 4-6 स्तोत्र 30				
फेब्रुवारी	लेवी 7-9 स्तोत्र 31	लेवी 10-12 स्तोत्र 32	लेवी 13-15 स्तोत्र 33	लेवी 16-18 स्तोत्र 34	लेवी 19-21 स्तोत्र 35	लेवी 22-24 स्तोत्र 36	लेवी 25-27 स्तोत्र 37: भाग 1
शरीरांचे जीवन तर रक्तांत असतें, आणि तुमच्या जिवांबद्दल वेदिवर प्रायश्चित करण्यासाठी तें मी तुम्हांला दिले आहे ; कारण रक्तांत जीव असल्याकरणानें रक्तांतच प्रायश्चित होते.	गण 1-3 स्तोत्र 37: भाग 2	गण 4-6 स्तोत्र 38	गण 7-8 स्तोत्र 39	गण 9-10 स्तोत्र 40	गण 11-13 स्तोत्र 41	गण 14-15 स्तोत्र 42	गण 16-18 स्तोत्र 43
	गण 19-21 स्तोत्र 44	गण 22-24 स्तोत्र 45	गण 25-27 स्तोत्र 46	गण 28-30 स्तोत्र 47	गण 31-33 स्तोत्र 48	गण 34-36 स्तोत्र 49	अनु 1-3 स्तोत्र 50
	अनु 4-6 स्तोत्र 51	अनु 7-8 स्तोत्र 52	अनु 9-11 स्तोत्र 53	अनु 12-15 स्तोत्र 54	अनु 16-18 स्तोत्र 55	अनु 19-21 स्तोत्र 56	अनु 22-24 स्तोत्र 57

* बक्से च्या तळावर तिर्थकित (Italicised) केलेला भाग हा स्तोत्रसंहिताच्या सोबत गाण्यासाठी मॅट्रिकेटड शास्त्र आहे !

<p>मार्च</p> <p>मला सोडून जा आणि माझ्यामार्ग न घेतां भाग जा असा मला विद्योग कळ नव; तुम्ही जेथे जात तेथे मी येईन, तुम्ही जेथे राहाल तेथे मी राहीन, तुमचे लोक ते माझे लोक, तुमचा देव तो माझा देव, तुम्ही मरायल ते मी मरन व तसेचच माझी मूळमाती होईन, मनुष्य खेरित करून घुमचा-माझा कशानेही विद्योग झाला तर परमेश्वर मला तपनुसार पारिपत्य करे, विद्योग अधिक करे.</p> <p>उप १२६(ब), १७</p>	<p>अनु 25-27 स्तोत्र 58</p> <p>१</p> <p>यहो 13-16 स्तोत्र 65</p> <p>शास्ते 9-10 स्तोत्र 70</p> <p>१ शम् 4-7 स्तोत्र 77</p> <p>१ शम् 28-31 स्तोत्र 82</p> <p>१</p>	<p>अनु 28-30 स्तोत्र 59</p> <p>२</p> <p>यहो 17-19 स्तोत्र 66</p> <p>शास्ते 11-12 स्तोत्र 71</p> <p>१ शम् 8-12 स्तोत्र 78; भाग 1</p> <p>२ शम् 1-3 स्तोत्र 83</p> <p>१ इति 13-15 स्तोत्र 108</p> <p>१</p>	<p>अनु 31-32 स्तोत्र 60</p> <p>३</p> <p>यहो 20-22 स्तोत्र 67</p> <p>शास्ते 13-16 स्तोत्र 72</p> <p>१ शम् 13-16 स्तोत्र 78; भाग 3</p> <p>२ शम् 4-6 स्तोत्र 84</p> <p>१ इति 17-19 स्तोत्र 112</p> <p>२ इति 20-23 स्तोत्र 119-9-16 गण 23:8-10</p> <p>एजा 1-3 स्तोत्र 119:57-64 योहा 3:16</p> <p>नहे 11-13 स्तोत्र 119:113-120 1 थेस्त 3:11-13</p> <p>ईयो 9-11 स्तोत्र 119:169-176 प्रकटी 19:6-8</p> <p>१</p>	<p>अनु 33-34 स्तोत्र 61</p> <p>४</p> <p>यहो 23-24 स्तोत्र 68; भाग 1</p> <p>शास्ते 17-18 स्तोत्र 73</p> <p>१ शम् 17-18 स्तोत्र 78; भाग 3</p> <p>२ शम् 16-18 स्तोत्र 88</p> <p>१ इति 20-23 स्तोत्र 119-9-16 गण 23:8-10</p> <p>एजा 4-6 स्तोत्र 119:65-72 रोम 11:33-36</p> <p>एस्ते 1-4 स्तोत्र 119:121-128 1 तीम 1:17</p> <p>ईयो 22-24 स्तोत्र 123</p> <p>१</p>	<p>यहो 1-5 स्तोत्र 62</p> <p>५</p> <p>शास्ते 1-2 स्तोत्र 68; भाग 2</p> <p>शास्ते 19-21 स्तोत्र 74</p> <p>१ शम् 19-20 स्तोत्र 79</p> <p>२ इति 1-4 स्तोत्र 114</p> <p>२ इति 24-27 स्तोत्र 119:17-24 गण 24:5-9</p> <p>एजा 7-8 स्तोत्र 119:73-80 रोम 16:25-27</p> <p>एस्ते 5-7 स्तोत्र 119:129-136 इबी 13:20-21</p> <p>१</p>	<p>यहो 6-9 स्तोत्र 63</p> <p>६</p> <p>शास्ते 3-5 स्तोत्र 69; भाग 1</p> <p>रुथ 1-4 स्तोत्र 75</p> <p>१ शम् 21-23 स्तोत्र 80</p> <p>२ इति 5-7 स्तोत्र 115</p> <p>२ इति 28-30 स्तोत्र 119:25-32 गण 24:17-19</p> <p>एजा 9-10 स्तोत्र 119:81-88 2 करिंथ 13:14</p> <p>एस्ते 8-10 स्तोत्र 119:137-144 यह 24-25</p> <p>१</p>	<p>यहो 10-12 स्तोत्र 64</p> <p>७</p> <p>शास्ते 6-8 स्तोत्र 69; भाग 2</p> <p>१ शम् 1-3 स्तोत्र 76</p> <p>१ शम् 24-27 स्तोत्र 81</p> <p>१ राजे 1-2 स्तोत्र 89; भाग 3</p> <p>१ राजे 18-20 स्तोत्र 96</p> <p>२ राजे 15-17 स्तोत्र 103</p> <p>१ इति 10-12 स्तोत्र 107; भाग 2</p> <p>२ इति 8-10 स्तोत्र 116</p> <p>२ इति 31-32 स्तोत्र 119:33-40 अनु 33:26-29</p> <p>नहे 1-4 स्तोत्र इति 2:1-10</p> <p>ईयो 1-2 स्तोत्र 119:145-152 प्रकटी 1:5-6</p> <p>१</p>
<p>एप्रिल</p> <p>तुझे दिवस पुरे झाले आणि तू जाऊन आपल्या पितरांबरोबर निजलास म्हणजे तुझ्या पोटच्या वंशजास तुझ्यामागून स्थापून त्याचे राज्य स्थिर करेरीन, तो माझ्या नामाप्रतिवर्ध मंदिर बांधील, मी त्याचे राजासन वयमचे स्थापीन.</p> <p>२ शमुवेल ७:१२,१३</p>	<p>२ शम् 7-10 स्तोत्र 85</p> <p>१ राजे 3-5 स्तोत्र 90</p> <p>१ राजे 21-22 स्तोत्र 97</p> <p>२ राजे 18-20 स्तोत्र 104</p> <p>१ इति 13-15 स्तोत्र 108</p> <p>१</p>	<p>२ शम् 11-12 स्तोत्र 86</p> <p>१ राजे 6-7 स्तोत्र 91</p> <p>२ राजे 1-3 स्तोत्र 98</p> <p>२ राजे 21-23 स्तोत्र 105; भाग 1</p> <p>१ इति 16-18 स्तोत्र 109</p> <p>१</p>	<p>२ शम् 13-15 स्तोत्र 87</p> <p>१ राजे 8-9 स्तोत्र 92</p> <p>२ राजे 4-5 स्तोत्र 99</p> <p>२ राजे 24-25 स्तोत्र 105; भाग 2</p> <p>१ इति 1-3 स्तोत्र 106; भाग 1</p> <p>१</p>	<p>२ शम् 16-18 स्तोत्र 88</p> <p>१ राजे 10-11 स्तोत्र 93</p> <p>२ राजे 6-8 स्तोत्र 100</p> <p>१ इति 1-3 स्तोत्र 106; भाग 1</p> <p>१</p>	<p>२ शम् 19-21 स्तोत्र 89; भाग 1</p> <p>१ राजे 12-14 स्तोत्र 94</p> <p>२ राजे 9-11 स्तोत्र 101</p> <p>१ इति 4-6 स्तोत्र 106; भाग 2</p> <p>१</p>	<p>२ शम् 22-24 स्तोत्र 89; भाग 2</p> <p>१ राजे 15-17 स्तोत्र 95</p> <p>२ राजे 12-14 स्तोत्र 102</p> <p>१ इति 7-9 स्तोत्र 107; भाग 1</p> <p>१</p>	<p>१ राजे 1-2 स्तोत्र 89; भाग 3</p> <p>१ राजे 18-20 स्तोत्र 96</p> <p>२ राजे 15-17 स्तोत्र 103</p> <p>१ इति 10-12 स्तोत्र 107; भाग 2</p> <p>१</p>
<p>मे</p> <p>तर माझे नाम ज्यांस दिले आहे त्या माझ्या लोकांनी दीन होऊन माझी प्रार्थना केेली आणि माझ्या दर्शनविषयी उत्सुक होऊन ते आपल्या दुष्ट मार्गापासून परावृत्त झाले तर मी स्वर्गातून त्यांची पानेती ऐकून त्यांच्या पापाची त्यांस क्षमा करीन व त्यांच्या जमिनीमधुन वलेश नाहीसे करीन.</p> <p>२ इतिहास ७:१४</p>	<p>१ इति 19-22 स्तोत्र 110</p> <p>२ इति 11-13 स्तोत्र 117</p> <p>२ इति 33-34 स्तोत्र 119:41-48 लुक 1:46-55</p> <p>नहे 5-7 स्तोत्र 119:97-104 इफि 3:20-21</p> <p>ईयो 3-5 स्तोत्र 119:153-160 प्रकटी 4:11</p> <p>१</p>	<p>१ इति 23-24 स्तोत्र 111</p> <p>२ इति 14-16 स्तोत्र 118</p> <p>२ इति 35-36 स्तोत्र 119:49-56 लुक 1:68-75</p> <p>नहे 8-10 स्तोत्र 119:105-112 फिले 2:5-11</p> <p>ईयो 6-8 स्तोत्र 119:161-168 प्रकटी 15:3-4</p> <p>१</p>	<p>१ इति 25-27 स्तोत्र 112</p> <p>२ इति 17-19 स्तोत्र 119:11-8 गण 23:8-10</p> <p>एजा 1-3 स्तोत्र 119:57-64 योहा 3:16</p> <p>नहे 11-13 स्तोत्र 119:113-120 1 थेस्त 3:11-13</p> <p>ईयो 9-11 स्तोत्र 119:169-176 प्रकटी 19:6-8</p> <p>१</p>	<p>१ इति 28-29 स्तोत्र 113</p> <p>२ इति 20-23 स्तोत्र 119-9-16 गण 23:8-10</p> <p>एजा 4-6 स्तोत्र 119:65-72 रोम 11:33-36</p> <p>एस्ते 1-4 स्तोत्र 119:121-128 1 तीम 1:17</p> <p>ईयो 22-24 स्तोत्र 123</p> <p>१</p>	<p>२ इति 1-4 स्तोत्र 114</p> <p>२ इति 24-27 स्तोत्र 119:17-24 गण 24:5-9</p> <p>एजा 7-8 स्तोत्र 119:73-80 रोम 16:25-27</p> <p>एस्ते 5-7 स्तोत्र 119:129-136 इबी 13:20-21</p> <p>१</p>	<p>२ इति 5-7 स्तोत्र 115</p> <p>२ इति 28-30 स्तोत्र 119:25-32 गण 24:17-19</p> <p>एजा 9-10 स्तोत्र 119:81-88 2 करिंथ 13:14</p> <p>एस्ते 8-10 स्तोत्र 119:137-144 यह 24-25</p> <p>१</p>	<p>२ इति 8-10 स्तोत्र 116</p> <p>२ इति 31-32 स्तोत्र 119:33-40 अनु 33:26-29</p> <p>नहे 1-4 स्तोत्र इति 2:1-10</p> <p>ईयो 1-2 स्तोत्र 119:145-152 प्रकटी 1:5-6</p> <p>१</p>
<p>जून</p> <p>मला तर ठाऊक आहे की माझा उध्दारक जिवंत आहे. तो अंती पृथ्वीवर उभा राहील; आणि तेजे ही माझी शरिरांना त्वचाचा विद्ययाने नष्ट केल्यानंतर, तरी मी देवाला देहविरहित पाहीन;</p> <p>ईयोब १९:२५,२६</p>	<p>ईयो 12-14 स्तोत्र 120</p> <p>ईयो 35-37 स्तोत्र 127</p> <p>नीति 9-10 स्तोत्र 134</p> <p>नीति 23-24 स्तोत्र 141</p> <p>उप 6-8 स्तोत्र 148</p> <p>१</p>	<p>ईयो 15-18 स्तोत्र 121</p> <p>ईयो 38-39 स्तोत्र 128</p> <p>नीति 11-12 स्तोत्र 135</p> <p>नीति 25-26 स्तोत्र 142</p> <p>उप 9-12 स्तोत्र 149</p> <p>२</p>	<p>ईयो 19-21 स्तोत्र 122</p> <p>ईयो 40-42 स्तोत्र 129</p> <p>नीति 13-14 स्तोत्र 136</p> <p>नीति 27-28 स्तोत्र 143</p> <p>३</p>	<p>ईयो 22-24 स्तोत्र 123</p> <p>नीति 1-2 स्तोत्र 130</p> <p>नीति 15-16 स्तोत्र 137</p> <p>नीति 29-30 स्तोत्र 144</p> <p>४</p>	<p>ईयो 25-28 स्तोत्र 124</p> <p>नीति 3-4 स्तोत्र 131</p> <p>नीति 17-18 स्तोत्र 138</p> <p>नीति 31 स्तोत्र 145</p> <p>५</p>	<p>ईयो 29-31 स्तोत्र 125</p> <p>नीति 5-6 स्तोत्र 132</p> <p>नीति 19-20 स्तोत्र 139</p> <p>उप 1-2 स्तोत्र 146</p> <p>६</p>	<p>ईयो 32-34 स्तोत्र 126</p> <p>नीति 7-8 स्तोत्र 133</p> <p>नीति 21-22 स्तोत्र 140</p> <p>उप 3-5 स्तोत्र 147</p> <p>७</p>

<p>जुलै</p> <p>परंतु तो आमच्या अपराधामुळे घायाळ झाला, आमच्या दुष्कामुळे चवला गेला ; आम्हांस शांति देणारी अशी शिक्षा त्यास झाली ; त्यास बसलेल्या फटक्यांनी अर्हांस आरोग्य प्राप्त झाले. आम्ही सर्व मेंढरांप्रमाणे बहकून गेलो होतो ; आम्ही प्रत्येकने आपआपला मार्ग धरिला होता, अशा आम्हां सर्वांचे पाप परमेश्वराने त्याजवर लादिले .</p> <p>यशाया ५३:५,६</p>	गीत 1-3 स्त्री 150	गीत 4-6 स्त्री 1	गीत 7-8 स्त्री 2	यश 1-4 स्त्री 3	यश 5-7 स्त्री 4	यश 8-10 स्त्री 5	यश 11-12 स्त्री 6
	यश 13-14 स्त्री 7	यश 15-18 स्त्री 8	यश 19-21 स्त्री 9	यश 22-24 स्त्री 10	यश 25-26 स्त्री 11	यश 27-29 स्त्री 12	यश 30-32 स्त्री 13
	यश 33-35 स्त्री 14	यश 36-39 स्त्री 15	यश 40-42 स्त्री 16	यश 43-45 स्त्री 17	यश 46-47 स्त्री 18	यश 48-50 स्त्री 19	यश 51-53 स्त्री 20
	यश 54-56 स्त्री 20	यश 57-59 स्त्री 21	यश 60-62 स्त्री 22	यश 63-64 स्त्री 23	यश 65-66 स्त्री 24	यिर्म 1-2 स्त्री 25	यिर्म 3-5 स्त्री 26
	यिर्म 6-8 स्त्री 27	यिर्म 9-11 स्त्री 28	यिर्म 12-14 स्त्री 29				
<p>ऑगस्ट</p> <p>परमेश्वर असे म्हणतो की बाबेलची सत्तार वर्ष भरल्यावर मी तुमचा समाचार घेईन व तुम्हास या स्थळी भागा आणण्याचे जे माझे सुचवन आहे ते तुमच्यासंबंधाने पूर्ण होईल. परमेश्वर म्हणतो तुम्हाविषयी माझ्या मनांत जे संकल्प आहेत ते मी जाणतो ; ते संकल्प हिताचे आहेत. अनिष्टाचे नाहीत, ते तुम्हांस तुमच्या मावी सुस्थितीची ओशा देणार आहेत.</p> <p>यिर्मया २९:१०,११</p>	यिर्म 15-17 स्त्री 30	यिर्म 18-20 स्त्री 31	यिर्म 21-22 स्त्री 32	यिर्म 23-25 स्त्री 33	यिर्म 26-28 स्त्री 34	यिर्म 29-31 स्त्री 35	यिर्म 32-34 स्त्री 36
	यिर्म 35-36 स्त्री 37; भाग 1	यिर्म 37-39 स्त्री 37; भाग 2	यिर्म 40-42 स्त्री 38	यिर्म 43-45 स्त्री 39	यिर्म 46-49 स्त्री 40	यिर्म 50-51 स्त्री 41	यिर्म 52 स्त्री 42
	यिर्म 1-2 स्त्री 43	यिर्म 3 स्त्री 44	यिर्म 4-5 स्त्री 45	यिर्म 1-3 स्त्री 46	यिर्म 4-7 स्त्री 47	यिर्म 8-11 स्त्री 48	यिर्म 12-14 स्त्री 49
	यिर्म 15-16 स्त्री 50	यिर्म 17-19 स्त्री 51	यिर्म 20-22 स्त्री 52	यिर्म 23-25 स्त्री 53	यिर्म 26-28 स्त्री 54	यिर्म 29-30 स्त्री 55	यिर्म 31-32 स्त्री 56
	यिर्म 33-35 स्त्री 57	यिर्म 36-37 स्त्री 58	यिर्म 38-39 स्त्री 59				
<p>सप्टेंबर</p> <p>या मंदिराचे शेवटले वैभव पहिल्यापेक्षा श्रेष्ठ होईल, असे सेनाधीश परमेश्वर म्हणतो ; मी या स्थळाला शांति देईन , असे सेनाधीश परमेश्वर म्हणतो</p> <p>हाग्य २:९</p>	यिर्म 40-42 स्त्री 60	यिर्म 43-45 स्त्री 61	यिर्म 46-48 स्त्री 62	दानी 1-3 स्त्री 63	दानी 4-6 स्त्री 64	दानी 7-8 स्त्री 65	दानी 9-10 स्त्री 66
	दानी 11-12 स्त्री 67	होशे 1-3 स्त्री 68; भाग 1	होशे 4-7 स्त्री 68; भाग 2	होशे 8-11 स्त्री 69; भाग 1	होशे 12-14 स्त्री 69; भाग 2	यिर्म 1-3 स्त्री 70	यिर्म 1-3 स्त्री 71
	आमो 4-6 स्त्री 72	आमो 7-9 स्त्री 73	ओब स्त्री 74	योना 1-4 स्त्री 75	मीखा 1-4 स्त्री 76	मीखा 5-7 स्त्री 77	नहू 1-3 स्त्री 78; भाग 1
	हब 1-3 स्त्री 78; भाग 2	सफ 1-3 स्त्री 78; भाग 3	हाग्य 1-2 स्त्री 79	जख 1-4 स्त्री 80	जख 5-7 स्त्री 81	जख 8-10 स्त्री 82	जख 11-14 स्त्री 83
	मला 1-4 स्त्री 84	मतय 1-4 स्त्री 85					
<p>ऑक्टोबर</p> <p>तर तुम्ही पहिल्याने त्यांचे राज्य व त्यांचे नीतिमत्व म्ळिविण्यास झटा म्हणजे त्यांच्याबरोबर ह्याहि सवै गोष्टि तुम्हाला मिळतील.</p> <p>मतय ६:३३</p>	मतय 5-7 स्त्री 86	मतय 8-10 स्त्री 87	मतय 11-12 स्त्री 88	मतय 13-15 स्त्री 89; भाग 1	मतय 16-18 स्त्री 89; भाग 2	मतय 19-20 स्त्री 89; भाग 3	मतय 21-23 स्त्री 90
	मतय 24-25 स्त्री 91	मतय 26-28 स्त्री 92	मार्क 1-3 स्त्री 93	मार्क 4-5 स्त्री 94	मार्क 6-7 स्त्री 95	मार्क 8-9 स्त्री 96	मार्क 10-11 स्त्री 97
	मार्क 12-13 स्त्री 98	मार्क 14 स्त्री 99	मार्क 15-16 स्त्री 100	लूक 1-2 स्त्री 101	लूक 3-5 स्त्री 102	लूक 6-7 स्त्री 103	लूक 8-9 स्त्री 104; भाग 1
	लूक 10-11 स्त्री 104; भाग 2	लूक 12-13 स्त्री 105; भाग 1	लूक 14-16 स्त्री 105; भाग 2	लूक 17-19 स्त्री 106; भाग 1	लूक 20-21 स्त्री 106; भाग 2	लूक 22-24 स्त्री 107; भाग 1	लूक 1-3 स्त्री 107; भाग 2
	योहा 4-5 स्त्री 108	योहा 6-7 स्त्री 109	योहा 8-10 स्त्री 110				

नोव्हेंबर	1	2	3	4	5	6	7
आम्ही तर खूशित ख्रिस्तांच्या प्रचार करातो हा यहूदयांस अडखळण व हेलेण्यांस मूर्खपणा असा आहे खरा , परंतु पाचारण झालेल्या यहूदी व हेलेणी अशा दोघांदाहि देवाचे सामर्थ्य व देवाचे ज्ञान आहे; असा ख्रिस्त आम्ही प्रचार करातो	योहा 11-13 स्तोत्र 111	योहा 14-17 स्तोत्र 112	योहा 18-19 स्तोत्र 113	योहा 20-21 स्तोत्र 114	प्रेषि 1-2 स्तोत्र 115	प्रेषि 3-5 स्तोत्र 116	प्रेषि 6-8 स्तोत्र 117
	प्रेषि 9-11 स्तोत्र 118	प्रेषि 12-14 स्तोत्र 119:1-8 गण 23:8-10	प्रेषि 15-17 स्तोत्र 119:9-16 गण 23:19-24	प्रेषि 18-20 स्तोत्र 119:17-24 गण 24:5-9	प्रेषि 21-23 स्तोत्र 119:25-32 गण 24:17-19	प्रेषि 24-26 स्तोत्र 119:33-40 अन् 33:26-29	प्रेषि 27-28 स्तोत्र 119:41-48 लूक 1:46-55
	रोम 1-2 स्तोत्र 119:49-56 लूक 1:68-75	रोम 3-5 स्तोत्र 119:57-64 योहा 3:16	रोम 6-8 स्तोत्र 119:65-72 रोम 11:33-36	रोम 9-11 स्तोत्र 119:73-80 रोम 16:25-27	रोम 12-14 स्तोत्र 119:81-88 2 करिथ 13:14	रोम 15-16 स्तोत्र 119:89-96 इफि 2:1-10	1 करिथ 1-4 स्तोत्र 119:97-104 इफि 3:20-21
	1 करिथ 5-8 स्तोत्र 119:105-112 फिले 2:5-11	1 करिथ 9-11 स्तोत्र 119:113-120 1 थेस्स 3:11-13	1 करिथ 12-14 स्तोत्र 119:121-128 1 तीम 1:17	1 करिथ 15-16 स्तोत्र 119:129-136 इब्री 13:20-21	2 करिथ 1-3 स्तोत्र 119:137-144 यहू2:4-25	2 करिथ 4-6 प्रकटी 1:5-6	2 करिथ 7-10 स्तोत्र 119:153-160 प्रकटी 4:11
	2 करिथ 11-13 स्तोत्र 119:161-168 प्रकटी 15:3-4	गल 1-3 स्तोत्र 119:169-176 प्रकटी 19:6-8					
१ करिथ १:२३,२४							
डिसेंबर	1	2	3	4	5	6	7
कारण माणसे होतील स्वतःहावर प्रेम करणारे, लोमी, बदाईखोर , गर्बित, निदक आई-बापांस न मानणारी, उपकार न स्मरणारी, अपवित्र	गल 4-6 स्तोत्र 120	इफि 1-3 स्तोत्र 121	इफि 4-6 स्तोत्र 122	फिलि 1-4 स्तोत्र 123	कल 1-4 स्तोत्र 124	1 थेस्स 1-5 स्तोत्र 125	2 थेस्स 1-3 स्तोत्र 126
	1 तीम 1-3 स्तोत्र 127	1 तीम 4-6 स्तोत्र 128	तीम 1-4 स्तोत्र 129	तीम 1-3 स्तोत्र 130	फिलेमोना स्तोत्र 131	इब्री 1-4 स्तोत्र 132	इब्री 5-7 स्तोत्र 133
	इब्री 8-10 स्तोत्र 134	इब्री 11-13 स्तोत्र 135	याकोब 1-5 स्तोत्र 136	1 पेत्र 1-5 स्तोत्र 137	2 पेत्र 1-3 स्तोत्र 138	I योहा 1-5 स्तोत्र 139	II योहा स्तोत्र 140
	III योहा स्तोत्र 141	यहू स्तोत्र 142	प्रकटी 1-3 स्तोत्र 143	प्रकटी 4-6 स्तोत्र 144	प्रकटी 7-9 स्तोत्र 145	प्रकटी 10-12 स्तोत्र 146	प्रकटी 13-15 स्तोत्र 147
२ तीमथी ३:२	प्रकटी 16-18 स्तोत्र 148	प्रकटी 19-20 स्तोत्र 149	प्रकटी 21-22 स्तोत्र 150				

- पवित्र शास्त्रामध्ये जणे कळून इंग्रजी भाषेचे संस्क रणामध्ये,आम्ही विश्वास करतो कि केवल अथोराइज्ड वर्जन ह आम्हाला आत्मिक जागृति आणि नुतनीकरण आणु शकतात, कारण त्याचे अनुवाद प्रामाणिक आणि विश्वासयोग्य मेनुस्क्रिप्टस मधुन ऋ फा लेले आहे. (जे जुन्या संस्करणांचे पुर्णद्वंद्वण अद्वैत आहेत. उदा.जिनेवा बायबल,मत्तीचे बायबल आणि विलियम टिम्बेले चे नवा-व्बाराचे अनुवाद हे सर्व हयाच मेनुस्क्रिप्टस मधुन अनुवादित केलेले आहे) नवा करार पारंपारिक मजकूर (टेक्स्टस रीसेप्टस किंवा रिसेखड टेक्स) वर आधारित तर जुना करार हे हिब्रू मेसोटॅक टेक्स्टवर आधारित आहे.
- मानक सिध्दांताचे विरोधक म्हणुन नियामक सिध्दांताचे अनुसरून आम्ही सार्वजनिक आराधनाच्या स्थानावर स्तुति गायनासाठी मैट्रिके टेड पवित्र शास्त्र, विशेष करून स्तोत्रसंहिताचे आयोजन करत आहोत. या शिकवणीचा सारा हा आठो कि सार्वजनिक उपासनेच्या सेवेच्या प्रत्येक पैशुत शास्त्रवचनांतील वारशा असणे आवश्यक आहे.. (लेवीय १०:१-३, इब्री ८:५ ब) पहा.
- धार्मिक मत पुस्तिकांच्या स्वरुपात, आम्ही वेस्टमिन्सटर कन्फे शन ऑफ फे थ (प.इ.१६४६) आणि केम्ब्रिज प्लेटफार्म (प.इ.१६४८) जे सेप्टेस्टिस्ट प्युरिटेन्स (ज्या मध्ये पिल्ट्रिम फादर्स,आधुनिक अमेरिकेचे प्रत्येक संस्थापक आणि येशु मसिहाने वाहिलेल्या आणि शिंपडलेल्या रक्ताने परमेश्वराचे अनुग्रहाचे सुसमाचार करणारेखरे अनुयायी, यांचा समावेश आहे) यांचे सावधान तत्व आहोत.
- पवित्रशास्त्र हे विश्वास आणि जीवनासाठी पर्याय नियम आहे, त्यामुळे सर्व मत्सीहलोक जे कोणत्याही सामाजिक संदर्भ आणि भौगोलिक पृष्ठभुमिवरून आलेले आहेत, ते बायबल संबंधित संस्कृती नियमित करण्यासाठी बांधले आहे. ज्यामध्ये प्रचाराचे सर्वप्रेच्छता आणि ईसाई सोबताचे ,जे आठवड्याच्या पहिल्या दिवशी येथे प्रवित्रक रण क रणे, हे समावेश आहे. (निर्मितीच्या शब्दाध्यापानुन वेगळा म्हणून; निर्गम २०:११ आणि अनुवाद ५:१५ मधील फरक लक्षात घेणे महत्वाचे आहे (स्तोत्र ११८:२४, इब्री ४:८-१० पहा)
- आम्ही वेस्टमिन्सटरच्या सिध्दांतानुसार निश्चित करतो कि पवित्रशास्त्राचे पवित्र सामग्रीच्या रक्षा करित समाजासाठी परमेश्वराच्या आत्माच्या आवक प्रदीपनाच्या आवश्यकता आहे. (महा.१,(६) परमेश्वरा, माइयासाठी माझी लढाई लढ. तू वचन दिल्याप्रमाणे मला जगू दे. दुष्ट लोक खर्चाच्या मागे जातील. ते तुझे नियम पाळत नाहीत. (स्तोत्रसंहिता ११९:२५४,१५५)